CHOITHRAM SCHOOL, MANIK BAGH, INDORE

ANNUAL CURRICULUM PLAN SESSION 2017 – 2018

CLASS: VII

SUBJECT:HINDI

Month & Working Days	Theme/ Sub-theme	Learning Objectives		Activities &Resources	Expected Learning Outcomes	Assessment
		Subject Specific (Content Based)	Behavioural (Application based)			
जून 15	पुनरावृत्ति– 1)वर्ण–विचार, पंचम वर्ण वर्ण विच्छेद एवं संयोजन , र के विभिन्न प्रकार नुक्ता प्रयोग	शुद्ध –शुद्ध वाचन, लेखन वर्णों के उच्चारण स्थान का ज्ञान करवाना। ह्रस्व, दीर्घ वर्तनी का सही प्रयोग करना सिखाना। अनुस्वार,अनुनासिक का अंतर स्पष्ट करना। नुक्ता प्रयोग करना सिखाना। र के विभिन्न प्रकारों से अवगत कराना।	रचनात्मकता एवं कल्पना शीलता का विकास करना। आत्मविश्वास में वृद्धि करना। लिखित अभिव्यक्ति के विकास के लिए कुछ नए शब्द को सिखाकर शब्द भंडार का विकास करना।	10 शब्द श्यामपट्ट पर लिखकर दिए जाएँगे, जिनमं उचित स्थान पर छात्रों द्वारा अनुस्वार व अनुनासिक का प्रयोग किया जाएगा । इसी प्रकार अनुस्वार के स्थान पर पंचम वर्णों के प्रयोग हेतु अभ्यास कार्य दिया जाएगा। छात्रों को कुछ ‘शब्द दिए जाएँगे जिनका वे वर्ण–विच्छेद व संयोजन करेंगे। स्वयं के तथा अपने मित्र के नाम का वर्ण–विच्छेद व संयोजन करेंगे।	–शुद्ध वाचन, लेखन हेतु आत्मविश्वास में वृद्धि हुई वर्णों के उच्चारण स्थान पुनः परिचित हुए । ह्रस्व, दीर्घ वर्तनी का सही प्रयोग करना सीखा। अनुस्वार,अनुनासिक का अंतर स्पष्ट हुआ व प्रयोग सीखा। वर्तनी विचार एवं शुद्ध वाचन का अभ्यास कराना। लेखन कार्य करते समय पंचमवर्ण का सही प्रयोग करने में सक्षम हुए। शब्द रचना एवं विश्लेषण क्षमता का विकास हुआ।	अभ्यास कार्य पत्रक के आधार पर

		वर्तनी विचार एवं शुद्ध वाचन का अभ्यास कराना। **लेखन कार्य करते समय पंचमवर्ण का सही प्रयोग करने में सक्षम बनाना।**				
	‘ रहीम के दोहे ‘	दोहा छंद से परिचित कराना। दोहों के सस्वर गायन एवं वाचन का अभ्यास कराना। विषय से संबंधित तार्किक वार्तालाप करने हेतु प्रोत्साहित करना। आवाज के उतार–चढ़ाव एवं भावाभिव्यक्ति के साथ संवाद अदायगी का अभ्यास कराना। दूसरों की बात को धैर्य व एकाग्रतापूर्वक सुनने का कौशल विकसित करना। अनुच्छेद की विषय वस्तु को रोचकता के	नीतिपरक दोहों के माध्यम से व्यवहार में सुधार लाने हेतु प्रेरित करना। सच्ची मित्रता के महत्त्व से परिचित कराना। सच्चे मित्र के गुण एवं पहचान के विषय में जानकारी देना। परोपकार का संदेश देना। सभी परिस्थितियों में एक समान रहने की सीख देना। जीवन में सहनशीलता एवं धैर्यशीलता जैसे गुणों का अपनाने की सीख देना।	छात्रों से ही पाठ का नाम निकलवाने एवं उससे जोड़ने संबंधित गतिविधि – गतिविधि (1) दोहों पर आधारित **videos** akhiyo ke jharoke se गतिविधि (3) (रचनात्मकता / सकारात्मक चिंतन) **Soft board** के लिए नीतिपरक दोहों(सुक्ति) का संकलन। गतिविधि (4)(अंतर्वैयक्तिक संबंध) दोहों की अंताक्षरी (पूरी कक्षा को चार समूह में बाँट कर सुर–ताल के साथ दोहों की अंताक्षरी करवाएँगे।) गतिविधि (5)(चिंतन–मनन/ विश्लेषण/ मूल्यांकन) परिचर्चा– नैतिक मूल्यों की मानव जीवन में उपयोगिता (नैतिक मूल्यों स परिचय ,समाज की वास्तविक स्थिति से परिचय, विचार विश्लेषण करना, नैतिक मूल्यों का महत्त्व समझाना , युवा पीढ़ी का आज के परिपेक्ष्य में दृष्टिकोण/कर्त्तव्यबोध आदि)	दोहा छंद से परिचित हुए। दोहों के सस्वर गायन एवं वाचन का अभ्यास किया। विषय से संबंधित तार्किक वार्तालाप करने हेतु प्रोत्साहित हुए। आवाज के उतार–चढ़ाव एवं भावाभिव्यक्ति के साथ संवाद अदायगी का अभ्यास करने हेतु प्रोत्साहित हुए। दूसरों की बात को धैर्य व एकाग्रतापूर्वक सुनने का कौशल विकसित हुआ। अनुच्छेद की विषय वस्तु को रोचकता के साथ विकसित करने की कला का विकास हुआ। अपने विचारों को बिंदुवार तथा कमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने	दोहों की अंताक्षरी अनुच्छेद लेखन परिचर्चा (किसी एक के आधार पर)

		साथ विकसित करने की कला का विकास करना। अपने विचारों को बिंदुवार तथा क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का अभ्यास कराना। पूर्व ज्ञान से संबद्ध करके नैतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास करना।		गतिविधि (6)(रचनात्मकता / सकारात्मक चिंतन) अनुच्छेद लेखन (मेरा प्रिय मित्र/ परोपकार का महत्त्व/ जीवन म सदगुण का मोल गतिविधि (7)(चिंतन–मनन/ विश्लेषण/ मूल्यांकन)	में सक्षम हुए। पूर्व ज्ञान से संबद्ध करके नैतिक मूल्यों से जोड़ने में सक्षम हुए। व्यवहारिक उपलब्धि– नीतिपरक दोहों के माध्यम से व्यवहार में सुधार लाने हेतु प्रेरित हुए। सच्ची मित्रता के महत्त्व से परिचित हुए। सच्चे मित्र के गुण एवं पहचान के विषय में जाना। जीवन में परोपकार का महत्त्व जाना। सभी परिस्थितियों में एक समान रहना सीखा। जीवन में सहनशीलता एवं धैर्यशीलता जैसे गुणों को अपनाना सीखा। स्वबोध की भावना विकसित हुई।	
जुलाई 24	मिठाईवाला	क्रमबद्ध एवं बिंदुवार तरीके से अपने विचारों को प्रस्तुत करना सिखाना। कल्पनाशीलता का भाव जागृत करना। आवाज केउतार–चढ़ाव	जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का महत्त्व प्रदर्शित करना। अपना दुःख भूलकर दूसरों की खुशी में खुश रहने का संदेश	**गतिविधि 1 कलात्मकता** कहानी का लघुनाटिका के रूप में लेखन एवं मंचन **गतिविधि 2 रचनात्मकता** कहानी लेखन – स्वानुभव/जानकारी पर आधारित यदि आपको अपने जीवन में ऐसी ही किसी	क्रमबद्ध एवं बिंदुवार तरीकसे अपने विचारों को प्रस्तुत करना सीखा। कल्पनाशीलता का भाव जागृत हुआ। आवाज़ के उतार–चढ़ाव एवं भावाभिव्यक्ति के साथ संवाद	कहानी का लघुनाटिका के रूप में लेखन संवाद साक्षात्कार विज्ञापन निर्माण **(किसी एक के आधार पर)**

		एवं भावाभिव्यक्ति के साथ संवाद अदायगी का अभ्यास कराना। अपनी बात को तर्कपूर्वक कहने का कौशल विकसित करना। सारगर्भित शब्दों में अपनी बात प्रस्तुत करना सिखाना। साक्षात्कार लेने की कला का विकास करना। विज्ञापन निर्माण सिखाना।	देना। मृदु भाषी होने का महत्त्व बताना। स्वजागरुकता का भाव उत्पन्न करना संवेदनशील बनाना	बात का अनुभव हुआ हो तो उसे कहानी के रूप में व्यक्त करें **गतिविधि 3 रचनात्मकता व विचाराभिव्यक्ति** संवाद लेखन (उपरोक्त कहानी के आधार पर) **गतिविधि 4 साक्षात्कार** अपने क्षेत्र में आने वाले विक्रेता (सब्ज़ी वाले/फेरी वाले) का साक्षात्कार **गतिविधि–5 विज्ञापन निर्माण** **ऑन लाइन मिठाई /सब्जी/खिलौने/वस्त्र किसी एक पर आकर्षक,रंगीन विज्ञापन ।**	अदायगी का अभ्यास हुआ। अपनी बात को तर्कपूर्वक कहने का कौशल विकसित हुआ। सारगर्भित शब्दों में अपनी बात प्रस्तुत करना सीखा। साक्षात्कार लेने की कला का विकास हुआ।जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का महत्त्व प्रदर्शित किया। अपना दुःख भूलकर दूसरों की खुशी में खुश रहना सीखा। मृदु भाषी होने का महत्त्व समझा। स्वजागरुकता का भाव उत्पन्न हुआ। संवेदनशील बने।	
	पापा खो गए।	क्रमबद्ध एवं बिंदुवार तरीके से अपने विचारों को प्रस्तुत करना सिखाना। कल्पनाशीलता का भाव जागृत करना। आवाज के उतार–चढ़ाव एवं भावाभिव्यक्ति के साथ संवाद अदायगी का अभ्यास कराना। अपनी बात को तर्कपूर्वक कहने का कौशल विकसित करना।	आसपास के परिवेश (वातावरण) में सतर्क एवं चौकन्ना रहने की सीख देना स्वजागरुकता का भाव उत्पन्न करना संवेदनशील बनाना त्वरित निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना संकट/विपरीत परिस्थितियों में धैर्य व हिम्मत से काम लेने की सीख देना ।	अनुच्छेद लेखन – स्वानुभव/जानकारी पर आधारित यदि आपने अपने जीवन में कोई ऐसी घटना देखी, सुनी या अनुभव की है तो उसे अनुच्छेद में व्यक्त करें **गतिविधि रचनात्मकता व विचाराभिव्यक्ति** संवाद लेखन (नियत परिस्थिति के आधार पर) **गतिविधि –प्रस्तुतिकरण** भूमिका निर्वहन		लघुनाटिका का एकांकी के रूप में लेखन एवं मंचन अनुच्छेद लेखन संवाद लेखन भूमिका निर्वहन **(किसी एक के आधार पर)**

		सारगर्भित शब्दों में अपनी बात प्रस्तुत करना सिखाना।				
	विराम चिह्न–पूर्णविराम, उद्धरण, प्रश्नवाचक, निर्देश अल्पविराम।	विराम चिह्नों उचित स्थान पर विराम चिह्नों का प्रयोग करना सिखाना। लेखन कौशल को सशक्त बनाना।	रचनात्मकता का विकास करना। उचित स्थान पर विराम चिह्नों का प्रयोग कर लिखित अभ्व्यिक्ति को प्रभावी बनाना सिखाना। लेखन कौशल को सशक्त बनाना।	लेखन कार्य–––		

	हम पंछी उन्मुक्त गगन के	संवेदनशील बनाना। आलोचनात्मक चिंतन हेतु प्रेरित करना। उचित विराम, हाव–भाव व आवाज़ के उतार–चढ़ाव के साथ कविता पाठ में दक्ष बनाना। शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कराना। अर्थग्रहण करते हुए वाचन करने का अभ्यास कराना। कविता लेखन का अभ्यास कराना। रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का विकास करना।	स्वच्छंदता की आवश्यकता व महत्त्व की समझ। प्राणियों के प्रति संवेदनशीलता जागृत करना। प्रकृति की सुंदरता का परिचय देना। पशु–पक्षियों को कैद न करने की सीख देना। बंधनमुक्त जीवन के महत्व की समझ विकसित करना।	प्रस्तुतिकरण – निश्चित विषय पर स्वयं के उद्‌गार। परिस्थिति को समझकर उसके अनुरूप कार्यप्रणाली। कविता लेखन –(रचनात्मकता/कल्पनाशीलता) परिचर्चा – स्वच्छंदता का विश्लेषण करते हुए बंधन व मुक्ति पर वार्तालाप	स्वच्छंदता की आवश्यकता व महत्त्व की समझ। प्राणियों के प्रति संवेदनशीलता जागृत हुई। प्रकृति की सुंदरता से परिचित हुए। पशु–पक्षियों को कैद न करने की सीख मिली। बंधनमुक्त जीवन के महत्व की समझ विकसित हुई। संवेदनशील बने। आलोचनात्मक चिंतन हेतु प्रेरित हुए। उचित विराम, हाव–भाव व आवाज़ के उतार–चढ़ाव के साथ कविता पाठ में दक्ष बने। कविता लेखन का अभ्यास हुआ। रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का विकास हुआ।	परिचर्चा कविता लेखन किसी एक के आधार पर
Unit test-1 July31-02 august						
अगस्त 21	कठपुतली	संवेदनशील बनाना। आलोचनात्मक चिंतन हेतु प्रेरित करना। उचित विराम, हाव–भाव व आवाज़ के उतार–चढ़ाव के साथ कविता पाठ में	स्वतंत्र निर्णय के महत्त्व की समझ। स्वयं के प्रति संवेदनशीलता जागृत करना। आत्मविश्वास जागृत करना।	संवाद लेखन – मूल्य आधारित विषयवस्तु का चुनाव करेंगे । परिचर्चा– स्वच्छंद निर्णय व भेड़–चाल का विश्लेषण करते हुए	आलोचनात्मक चिंतन हेतु प्रेरित हुए। उचित विराम, हाव–भाव व आवाज़ के उतार–चढ़ाव के साथ कविता पाठ में दक्ष बने। शुद्ध उच्चारण का अभ्यास हुआ।	संवाद लेखन/ परिचर्चा के आधार पर

		दक्ष बनाना। शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कराना। अर्थग्रहण करते हुए वाचन करने का अभ्यास कराना। संवाद लेखन का अभ्यास कराना। रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का विकास करना।			अर्थग्रहण करते हुए वाचन करने का अभ्यास हुआ। संवाद लेखन का अभ्यास हुआ। रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का विकास हुआ। स्वतंत्र निर्णय के महत्त्व की समझ जागृत हुई। स्वयं के प्रति संवेदनशीलता विकसित हुई।) ...आत्मविश्वास जागृत हुआ।	
	अपूर्व अनुभव	कहानी अथवा किसी भी घटना को सुनने में रूचि बढाना। कहानी ध्यानपूर्वक सुनने की कला का विकास करना। पाठ में आए कठिन शब्दों से परिचित कराकर शब्द संपदा में वृद्धि करना। द्विशाखा, धकियाना, ठिठियाना आदि। कल्पनाशीलता का विकास करना। लेखन कौशल का विकास करना। (पत्र ,संवाद, लेख आदि) प्रश्न निर्माण कौशल सिखाना।	मित्र की सहायता का संदेश देना। दृढ़इच्छाशक्ति के महत्त्व से परिचित कराना। साहस से मिलने वाली सफलता का महत्त्व बताना। संवेदनशील बनाना। चिंतन कौशल का विकास करना। दूसरों का उत्साहवर्धन करना सिखाना। कार्यसिद्धि हेतु जुझारू प्रवृति विकसित करना। अभ्यास का महत्त्व बताना।	**गतिविधि–1** **अनुच्छेद लेखन–(रचनात्मकता)** **मन के हारे हार है मन के जीते जीत" उक्ति को सिद्ध करते हुए**––– उन लोगों के विषय में लिखिए जिन्होंने दिव्यांग होते हुए भी अपने साहस व दृढइच्छाशक्ति के बल पर अपने लक्ष्य तक पहुँचने में सफलता प्राप्त की है(कोई दो) **गतिविधि–** **पत्र लेखन** किसी दुर्घटना में आपके मित्र का एक पैर क्षतिग्रस्त हो गया है उसकी इच्छा थी कि वह अपनी अनूठी पहचान विश्व में कायम करे उसका उत्साह बढाते हुए पत्र लिखिए। (प्रेरक कहानियों/व्यक्तियों के उदाहरण देकर) **गतिविधि –**	विद्यार्थी विषयवस्तु को एकाग्र भाव से सुनने लगे। कल्पनाशीलता व चिंतनकौशल का विकास हुआ। (पत्र ,संवाद लेख ,व साक्षात्कार लेखन प्रश्न निर्माण सीखा। शब्द संपदा में वृद्धि हुई व शब्द निर्माण सीखा।(समास) सहयोग की भावना जाग्रत हुई। दृढइच्छाशक्ति साहस ,परिश्रम मिलने वाली सफलता का महत्त्व जाना। संवेदनशीलता व सहानुभूति का भाव जाग्रत हुआ। चिंतन कौशल का विकास हुआ। कार्यसिद्धि हेतु जुझारू प्रवृति विकसित हुई।	**अनुच्छेद** **पत्र लेखन** **साक्षात्कार** **(किसी एक के आधार पर)**

		शब्द संपदा में वृद्धि करना। समास के दो भेद –– द्वंद्व व द्विगु समास से परिचित कराना।	सच बोलने की सीख देना । अन्य संस्कृति से आंशिक रूप से जोड़ने का प्रयास करना।	**साक्षात्कार– (काल्पनिक)–** आप किसी ऐसे व्यक्ति का साक्षात्कार ले रहे हैं जिसने शारिरिक रूप से आशक्त होते हुए भी अपने जीवन में कभी हार नहीं मानी तब आप किस प्रकार के सवाल उससे करेंगे।	अभ्यास का महत्त्व जाना। अन्य संस्कृति से आंशिक रूप से जुड़ने में समर्थ हुए।	
	व्याकरण– **समास– ,द्विगु , द्वंद्वव**	**समास की अवधरणा स्पष्ट करना।** **भेदों से परिचत कराना।** **'शब्द निर्माण सिखाना।**	**शब्द संपदा में वृद्धि करना।**	**समास विग्रह** **सामासिक पद** **भेद पहचानकर नाम बताइए।**		
	खान–पान की बदलती तस्वीर	दूसरों की बात को धैर्य व एकाग्रतापूर्वक सुनने का कौशल विकसित करना। अपनी बात को तर्कपूर्वक कहने का कौशल विकसित करना।	समय के साथ खानपान में आए बदलाव की जानकारी देना। बदलाव के कारणों की जानकारी देना तथा इन बदलावों का एकता के बीज के रूप में प्रतिपादन	गतिविधि–(विश्लेषण/जागरूकता) घर पर बनाए जाने शीतल पेय तथा खाद्य पदार्थों और बाजार के शीतल पेय तथा खाद्य पदार्थों का आज घरों मे कितना उपयोग ?– तुलनात्मक अध्ययन (नींबू का शरबत, नींबू का अचार, केरी का अचार, सत्तु, पापड़,बड़ी (मूँग), खमण्ड इडली मिक्स आदि) गतिविधि–	समय के साथ खानपान में आए बदलाव की जानकारी से परिचित हुए। बदलाव के कारणों को जाना तथा इन बदलावों का एकता के बीज के रूप में प्रतिपादिन किस प्रकार होगा जाना । फास्ट–फूड के लाभ और हानि के विषय में सोचने हेतु प्रेरित	तुलनात्मक अध्ययन विज्ञापन निर्माण परिचर्चा गतिविधि भूमिका निर्वहन (प्रभावी संप्रेषण/प्रस्तुतिकरण) **किसी एक के आधार पर**

		अपनी बात को सटीक व कम शब्दों में कहने का अभ्यास कराना। आकर्षक पंक्तियों के साथ विज्ञापन–निर्माण सिखाना। रचनात्मकता का विकास करना। कल्पनाशीलता का विकास करना। पी पी टी निर्माण में कुशल बनाना।	करना। फास्ट–फूड के लाभ और हानि के विषय में सोचने हेतु प्रेरित करना।	गतिविधि(रचनात्मकता) विज्ञापन निर्माण(तड़का रेस्टोरेंट) (कौशल – रचनात्मकता) (• पंचलाइन निर्माण , • बाक्स , • कीमत/ऑफर , • आकर्षक रंगीन चित्र , • सम्पर्क , • विशेषण के रूप में विशेषताएँ) गतिविधि(चिंतन–मनन /जागरूकता) परिचर्चा– फास्ट फूड यानी तुरंत भोजन के फायदे –नुकसान (मौखिक) फास्ट फूड यानी तुरंत भोजन के फायदे –नुकसान पर हुई परिचर्चा को संवाद के रूप में लिखना (लिखित) गतिविधि भूमिका निर्वहन (प्रभावी संप्रेषण/प्रस्तुतिकरण) विभिन्न राज्यों के खानपान, मुख्य त्योहार,वेशभूषा एवं अन्य विशेषताओं को दर्शाना (2–2 के जोड़े में)	हुए। दूसरों की बात को धैर्य व एकाग्रतापूर्वक सुनने का कौशल विकसित हुआ। अपनी बात को तर्कपूर्वक कहने का कौशल विकसित हुआ। अपनी बात को सटीक व कम शब्दों में कहने का अभ्यास किया। आकर्षक पंक्तियों क साथ विज्ञापन–निर्माण सीखा। रचनात्मकता का विकास हुआ। कल्पनाशीलता का विकास हुआ। पी पी टी निर्माण में कुशल हुए।	
सितंबर 21	चिड़िया की बच्ची	क्रमबद्ध एवं बिंदुवार तरीके से अपने विचारों को प्रस्तुत करना सिखाना।कल्पनाशीलता का भाव जागृत करना।आवाज के उतार–चढ़ाव एवं भावाभिव्यक्ति के साथ संवाद अदायगी का अभ्यास कराना। अपनी बात को तर्कपूर्वक कहने का	आसपास के परिवेश (वातावरण) में सतर्क एवं चौकन्ना रहने की सीख देना स्वजागरुकता का भाव उत्पन्न करना संवेदनशील बनाना त्वरित निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना संकट/विपरीत परिस्थितियों में धैर्य	गतिविधि प्रस्तुतिकरण (सुनाना) स्वानुभव/जानकारी पर आधारित यदि आपने अपने जीवन में कोई ऐसी घटना देखी, सुनी या अनुभव की है तो उसे कक्षा में व्यक्त करें गतिविधि –कहानी संकलन व वाचन (लालच बुरी बला है।–विषय से संबधित) गतिविधि– परिचर्चा/संवाद "लालच ही समाज में व्याप्त बुराइयों की जड़ है। "	क्रमबद्ध एवं बिंदुवार तरीके से अपने विचारों को प्रस्तुत करना सोखा।कल्पनाशीलता का भाव जागृत हुआ।आवाज के उतार–चढाव एवं भावाभिव्यक्ति के साथ संवाद अदायगी का अभ्यास किया। अपनी बात को तर्कपूर्वक कहने का कौशल विकसित हुआ।	स्वानुभव कहानी संकलन व वाचन परिचर्चा/संवाद **(किसी एक के आधार पर)**

		कौशल विकसित करना। सारगर्भित शब्दों में अपनी बात प्रस्तुत करना सिखाना।	व हिम्मत से काम लेने की सीख देना			
अक्टूबर	**Half yearly Exam**					
नबंबर(23)	संघर्ष के कारण मैं तुनक मिज़ाज हो गया।	सक्षात्कार विधा से परिचय कराना। सक्षात्कार विधा से परिचय कराना। ध्यानपूर्वक व एकाग्रता से सुनने का कौशल विकसित करना। विचारों व घटनाओं को क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करना सिखाना। प्रश्न निर्माण सिखाना। आत्मविश्वास व प्रभावी रूप से अपनी बात कहने का कौशल विकसित करना। रचनात्मकता का विकास करना। लेख लिखना सिखाना।	विनम्र बनने की सीख देना। सच बोलने की सीख देना। के प्रति प्रेम जाग्रत करना। घमंड नकरने की सीख देना। अपनी गलती को सहजता से स्वीकारने व उससे मिलने वाले ‘ शांति के महत्त्व से अवगत कराना। विषम परिस्थितियों में धैर्य न खोने की सीख देना। व्यक्तित्व निर्माण हेतु प्रयत्नशील बनाना। कृतज्ञ बनाना।	गतिविधि– अपने पसंदीदा खिलाडी का संक्षिप्त परिचय लिखिए साथ ही बताइए कि किन विशेषताओं के कारण आप उसे पसंद करते हैं(खेलने का तरीका,स्वभाव आदि) गतिविधि – आपको कौन सा खेल पसंद है ,क्यों उसके नियम लिखिए।संबधित ‘ शब्द(विशिष्ट शब्द) गतिविधि– (बोलना–लेखन कौशल)काल्पनिक साक्षात्कार लिखिए जिसमें आप ही आप आपका ही साक्षात्कार ले रहे हों तत्पश्चात दोनों पक्षों के रूप में मौखिक प्रस्तुति दीजिए।(अनुमानित–आपने आपका लक्ष्य प्राप्त कर लिया हैं/पढाई करते समय भी विषम परिस्थितियों का सामना।) गतिविधि– खेल जगत में ऐसे भी खिलाडी है जिन्होंने किसी न किसी कारणवश सन्यास लिया जानकारी संग्रहित कर लिखिए।–कोई तीन गतिविधि–कभी आपने आपकी मनचाही वस्तु न मिलने पर धैर्य खोया होगा किन्तु बाद में अपनी गलती का अहसास भी हुआ होगा ———— एक लेख/कहानी– के माध्यम से घटना वर्णन कीजिए। गतिविधि– संघर्ष ही सफलता का आधार	साक्षात्कार देने व लेने का कौशल/वाकचातुर्य विकसित हुआ। एकाग्रता बढी। विचारों व घटनाओं को क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करना सीखा। आत्मविश्वास में वृद्धि हुई। रचनात्मक लेखन सीखा। संघर्ष व परिश्रम के महत्त्व से अवगत हुए। नैतिक मूल्यों में वृद्धि हुई। परिवार के प्रति प्रेम का महत्त्व समझा। विषम परिस्थितियों में धैय बनाए रखने के महत्त्व से परिचित हुए।(भावनात्मक संतुलन) व्यक्तित्व निर्माण हेतु प्रयत्नशील हुए। कृतज्ञता का भाव जाग्रत हुआ।	अपने पसंदीदा खिलाडी का संक्षिप्त परिचय पसंदीदा खेल व नियम काल्पनिक साक्षात्कार एक लेख/कहानी अनुच्छेद **(किसी एक के आधार पर)**

				है–कविता /अनुच्छेद लिखिए।		
नबंबर 23	वीर कुँवर सिंह	किसी भी घटना या प्रसंग को ध्यानपूर्वक सुनने की कला का विकास करना। लेखन कौशल का विकास करना। महापुरुषों का चरित्र चित्रण व जीवन परिचय लिखना सिखाना। पत्रिका निर्माण करना सिखाना।(वर्ग पहेली, लेख, कविता, प्रसंग चित्र व संदेश) कोलाज निर्माण सिखाना। इतिहास विषय में रुचि जागृत करना।	नेतृत्व के गुण सिखाकर नेतृत्व क्षमता का विकास करना। निर्णय क्षमता का विकास करना। कार्य की सफलता हेतु उचित योजना तैयार करना सिखाना। देश प्रेम की भावना जाग्रत करना। साहस जगाना। महापुरुषों के प्रति सम्मान की भावना जाग्रत करना। परोपकार, दया धर्म सदाचार की सीख देना।	**गतिविधि– (कोलाज निर्माण व उससे प्राप्त संदेश)** 1857 से 1947 तक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के चित्र। **गतिविधि–(पत्रिका निर्माण)** संपूर्ण कक्षा की एक पत्रिका (गीत, कविता, लेख, कहानी, संस्मरण,जीवनी, वर्ग–पहेली,घटना वर्णन, नारे आदि।)प्रत्येक छात्र अपनी रुचि के अनुसार कोई भी एक विधा को चुनेगा।	ध्यानपूर्वक सुनने का कौशल विकसित हुआ। पत्रिका निर्माण के अंर्तगत वर्ग पहेली, लेख, कविता, प्रसंग चित्र व संदेश महापुरुषों का चरित्र चित्रण व जीवन परिचय लिखना सीखा। इतिहास विषय में रुचि उत्पन्न हुई। निर्णय क्षमता का विकास हुआ। कार्य की सफलता हेतु उचित योजना के महत्तव से अवगत हुए। महापुरुषों के प्रति सम्मान की भावना जागृत हुई तथा उनके गुणों को अपनाने की सीख मिली।	**(कोलाज निर्माण व उससे प्राप्त संदेश)** **–(पत्रिका निर्माण)** **(किसी एक के आधार पर)**
दिसम्बर 22	कंचा	उचित हाव–भाव,आवाज़ के उतार–चढ़ाव के साथ वाचन का अभ्यास कराना। पढ़कर अर्थग्रहण करने में सक्षम बनाना। रोज़मर्रा व वास्तविक जीवन से जोड़ने में	बाल सुलभ व्यवहार से परिचित कराना। अवलोकन क्षमता का महत्त्व बताना। कल्पनाशीलता का विकास करना। कक्षा में समय पर न आने से होने वाली परेशानियों से अवगत	गतिविधि– लेखन कौशल कंचा कहानी का नवीन अंत लिखिए। गतिविधि– –लघुनाुटिका –बोलना कौशल)(मानसिक रूप से अनुपस्थित रहने के दुष्परिणाम ।) गतिविधि–5– स्व–अनुभव –लेखन कौशल क्या आपके साथ ऐंसा हुआ है कि आप कहीं शारीरिक रूप से तो उपस्थित थे किन्तु आपका ध्यान कहीं और था।	उचित हाव–भाव,आवाज़ के उतार–चढ़ाव के साथ वाचन का अभ्यास हुआ। पढ़कर अर्थग्रहण करने व रोज़मर्रा व वास्तविक जीवन से जोड़ने में सक्षम हुए। अपनी बात को लघुनाटिका के माध्यम से रोचकता के साथ अभिव्यक्त किया।	कंचा कहानी का नवीन अंत लघुनाुटिका स्व–अनुभव प्राथमिकता निर्धारण **(किसी एक के आधार पर)**

		सक्षम बनाना। अपनी बात को रोचकता के साथ अभिव्यक्त करना सिखाना। वर्णनात्मक शैली में प्रस्तुत करना सिखाना। लेखन कौशल का विकास करना। कहानी विधा के प्रति रुचि जागत करना।	करना। प्राथमिकता निर्धारण का महत्त्व समझाना। जागरुकता या सजगता का महत्त्व बताना। यवहार का विश्लेषण करनेकी क्षमता विकसित करना। अपने पालकगण से सदैव सच बोलने की सीख देना। अपने सहपाठियों के अच्छे गुणों को पहचानने हेतु प्रेरित करना। शिक्षकों के प्रति सम्मान का भाव जागृत करना । देशी खेलों के प्रति रुझान जगाना। निर्णय क्षमता का विकास करना। कक्षा में समय पर आने के लिए प्रेरित करना। प्रत्येक परिस्थिति म भावनात्मक संतुलन बनाए रखने की सीख देना। शारीरिक रूप के साथ मानसिक रूप से भी उपस्थित रहने	गतिविधि–6 आलोचनात्मक चिंतन –लेखन कौशल–प्राथमिकता निर्धारण यदि आप अप्पू की जगह होते तो आप किसको प्राथमिकता देते(कंचों को या स्कूल फीस को आपकी राय में क्या सही है)स्पष्टीकरण दीजिए।	कहानी विधा के प्रति रुचि जागत हुई। बाल सुलभ व्यवहार से परिचित हुए। आलोचनात्मक चिंतन हेतु जागरुक हुए। कक्षा में समय पर न आने से होने वाली परेशानियों से अवगत हुए। प्राथमिकता निर्धारण का महत्त्व समझा। अपने पालकगण से सदैव सच बोलने की सीख मिली। देशी खेलों के प्रति रुझान बड़ा। निर्णय क्षमता का विकास हुआ। कक्षा में समय पर आने के लिए प्रेरित हुए। दूसरों के गुणों की सराहना करने हेतु प्रेरित हुए। अपनी बात को रोचक अंदाज में उचित हाव–भाव के साथ (लघुनाटिका के माध्यम से)प्रस्तुत करना सीखा।	

			हेतु प्रेरित करना। दूसरों के गुणों की सराहना करने हेतु प्रेरित करना।			
	व्याकरण– **किया व भेद**	**क्रिया व उसके भेदों से अवगत कराना।**	**वाक्य मे क्रिया के रूपों की पहचान करना सिखाना।**	**अभ्यास काय क्रिया पहचानकर भेद बताइए**	**काल के अनुसार क्रिया का प्रयोग करने में सक्षम हुए।**	
जनवरी 23	रक्त और हमारा शरीर	विशेष संदर्भ में प्रयोग किए जाने वाली शब्दावली से परिचित कराना। विज्ञापन निर्माण का अभ्यास कराना। संदेश को सीमित शब्दों में रोचक व प्रभावी तरीके से नारों के रूप में प्रस्तुत करना सिखाना। निर्जीव वस्तुओं के मध्य संवाद लेखन का	जागरुकता उत्पन्न करना। रक्तदान के महत्त्व से परिचित कराना। रक्तदान हेतु प्रेरित करना। पौश्टिक व संतुलित आहार लेने हेतु प्रेरित करना। साफ–सफाई का महत्त्व बताते हुए स्वच्छता रखने के लिए प्रेरित करना।	गतिविधि–(1) अतिथि वक्ता (श्रवण कौशल) गतिविधि–(2) वक्तव्य पर आधारित वर्कशीट (मूल्याकन गतिविधि–(3) आहार तालिका का निर्माण तथा उसके आधार पर स्वयं के खानपान का विश्लेषण (विश्लेषण व सजगता) गतिविधि–(4) रक्तदान हेतु जागरुकता फैलाने हेतु नारों एवं विज्ञापन–निर्माण (सजगता,लेखन कौशल) गतिविधि–(5) रक्त के अवयवों के मध्य	विशेष संदर्भ में प्रयोग किए जाने वाली शब्दावली से परिचित हुए। विज्ञापन निर्माण का अभ्यास किया। संदेश को सीमित शब्दों में रोचक व प्रभावी तरीके से नारों के रूप में प्रस्तुत करना सोखा। निर्जीव वस्तुओं के मध्य संवाद लेखन का अभ्यास किया। तुकबंदी युक्त शब्दों के प्रयोग	वक्तव्य पर आधारित वर्कशीट आहार तालिका का निर्माण विज्ञापन–निर्माण एवं नारे संवाद लेखन **(किसी एक के आधार पर)**

		अभ्यास कराना । तुकबंदी युक्त शब्दों के प्रयोग का अभ्यास कराना। किसी विशयवस्तु को धैर्यपूर्वक सुनने की क्षमता का विकास करना। एकाग्रता का विकास करना। सुनकर अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास करना।	तथ्यों का वि" लेशण व चिंतन करने की क्षमता का विकास करना। संवेदन" शील बनाना।	संवाद (लेखन कौशल)	का अभ्यास किया। किसी विशयवस्तु को धैर्यपूर्वक सुनने की क्षमता का विकास हुई। एकाग्रता का विकास व सुनकर अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास हुआ।	

	भोर और बरखा	मनन–चिंतन व विश्लेषण से अवगत कराना। भक्तिकाल व उस काल की कविता तथा भाषा से परिचित कराना। कविता के सस्वर गायन एवं वाचन का अभ्यास। विषय से संबंधित तार्किक वार्तालाप करने हेतु प्रोत्साहित हुए। आवाज के उतार–चढ़ाव एवं भावाभिव्यक्ति का अभ्यास करने हेतु प्रोत्साहित करना।	मातृप्रेम से अवगत कराना व माँ का दृष्टिकोण प्रदर्शित करना प्रकृति प्रेम से परिचित कराना।	**गतिविधि मौखिक प्रस्तुति** (विश्लेषण) ग्रामीण व शहरी परिवेश के अंतर व समानता पर। स्वानुभव–सुनाना– आपकी माता आपको किस प्रकार जगाती हैं? प्रभावी शैली में अभिव्यक्ति स्वरचित कविता–प्रातःकालीन/रात्रिकालीन दृश्य पर	मनन–चिंतन व विश्लेषण से अवगत हुए। भक्तिकाल व उस काल की कविता तथा भाषा से परिचित हुए। कविता के सस्वर गायन एवं वाचन का अभ्यास किया। विषय से संबंधित तार्किक वार्तालाप करने हेतु प्रोत्साहित हुए। आवाज के उतार–चढ़ाव एवं भावाभिव्यक्ति का अभ्यास करने हेतु प्रोत्साहित किया।	**मौखिक प्रस्तुति** स्वानुभव स्वरचित कविता **(किसी एक के आधार पर)**
	व्याकरण– **क्रिया विशेषण व भेद**	**व्याकरण–** **क्रिया विशेषण व भेद**	**व्याकरण–** **क्रिया विशेषण व भेद**	**वाक्य मे क्रिया विशेषण को रेखांकित कर भेद बताइए।**	**क्रिया विशेषण व भेदों से अवगत होकर वाक्य निर्माण करने में सक्षम हुए।**	
	Unit test -2 Jan.08-10 jan.					
फरवरी 21	नीलकंठ	क्रमबद्ध एवं बिंदुवार तरीके से अपने विचारों को प्रस्तुत करना सिखाना।	प्रकृति व प्राणी जगत से प्रेम की सीख देना पक्षी जगत से परिचित कराना	छात्रों से ही पाठ का नाम निकलवाने एवं उससे जोड़ने संबंधित गतिविधि– गतिविधि 1 छात्रों को वीडियो के द्वारा पशु प्रेम से	• क्रमबद्ध एवं बिंदुवार तरीके से अपने विचारों को प्रस्तुत करना सीखा। • कल्पनाशीलता का भाव	परिचर्चा रेखाचित्र कहानी/कविता/लेख तुलनात्मक वर्णन

		कल्पनाशीलताका भाव जागृत करना। अपनी बात को कलात्मकता से प्रस्तुत करने का कौशल विकसित करना। सारगर्भित शब्दों में अपनी बात प्रस्तुत करना सिखाना।	संवेदनशील बनाना स्वाभाविक अंतर का बोध कराना आपसी सामंजस्य, प्रेम व सौहार्द्रपूर्ण व्यवहार की क्षमता का विकास करना नेतृत्व की भावना जागृत करना।	अवगत करेंगे– गतिविधि 2 कल्पनाशीलता परिचर्चा – पशु–पक्षियों को पिंजरबद्ध रखना/करना कहाँ तक उचित गतिविधि 3 रचनात्मकता व विचाराभिव्यक्ति रेखाचित्र (अपने पसंदीदा पशु/पक्षी का) गतिविधि 4 लिखित अभिव्यक्ति कहानी/कविता/लेख (पशु जगत पर आधारित) गतिविधि 5 रचनात्मकता व विचाराभिव्यक्ति तुलनात्मक वर्णन (मनुष्य व पशु–पक्षियों के स्वभाव में)	जागृत हुआ। • अपनी बात को कलात्मक रूप से प्रस्तुत करने का कौशल विकसित हुआ। प्रकृति व प्राणी जगत से प्रेम की सीख मिली। पक्षी जगत से परिचित हुए। संवेदनशील बने। स्वाभाविक अंतर का बोध हुआ। आपसी सामंजस्य, प्रेम व सौहार्द्रपूर्ण व्यवहार की क्षमता का विकास हुआ। नेतृत्व की भावना जागृत हुई।	**(किसी एक के आधार पर)**
फरवरी 21	एक तिनका	काव्य के प्रति रूचि उत्पन्न करना। लय ताल व तुंकबंदी सेपरिचित कराना। घटना को कविता के रूप में वर्णन करनाा सिखाना। काव्य को गद्य रूप में लिखना सिखाना। लेखन कौशल का विकास करना जैसे संवाद,अनुच्छेद व भाव पल्लवन। कल्पनाशीलता काविकास करना। मौखिक अभिव्यक्ति का विकास करना। ग्राह्यक्षमता का	घमंड न करने की सीख देना। छोटी–छोटी वस्तुओं का महत्त्व समझने की सीख देना। विनम्र बनने की सीख देना। चिंतन कौशल का विकास करना। तार्किक क्षमता का विकास करना। संवेदनशील बनाना। अपनी वास्तविक स्थिका ज्ञान कराना समानता का भाव जाग्रत करना। विषय वस्तु को वास्तविक जीवन से	गतिविधि–1 वीडियो/कहानी––हाथी और चींटी दिखाना/सुनाना गतिविधि–4 स्व अनुभव कविता के आधार पर । गतिविधि–5 कविता को कहानी के रूप में लिखिए। गतिविधि–संवाद लेखन– किसी भी वस्तु को छोटा न समझने की सीख देते हुए पिता व पुत्र के मध्य होने वाली बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए। गतिविधि –ऐसे दोहों का संकलन कर व्याख्या कीजिए जिनमें घमंड न करने की सीख तथा व्यक्ति को अपनी वास्तविकता की सीख मिलती हो। गतिविधि–8 अनुच्छेद लेखन दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर **अहंकारी का सिर नीचा।**विषय पर	काव्य के प्रति रूचि उत्पन्न हुए। लय ताल व तुंकबंदी से परिचित हुए। रचनात्मकता का विकास हुआ। लेखन कौशल का विकास करना जैसे पत्र ,अनुच्छेद व भाव पल्लवन। कल्पनाशीलता का विकसित हुई। मौखिक अभिव्यक्ति के रू॰ में अपनी बात को आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कर सके। शब्दभंडार में वृद्धि हुई। कविता के गूढ अर्थ को समझने की योग्यता का विकास हुआ।	स्व अनुभव कविता को कहानी के रूप संवाद लेखन –ऐसे दोहों का संकलन व सीख अनुच्छेद लेखन **(किसी एक के आधार पर)**

		विकास करना। ध्यानपूर्वक सुनने की कला विकसित करना। शब्दभंडार में वृद्धि करना। कविता में आए कठिन शब्दों के अर्थ से परिचय कराना। जैसे–––––ऐंठा ,झिझक,ढब मुंडेर आदि।	संबद्ध करने के गुण विकसित करना।	अनुच्छेद लिखिए। • वाक्य का आशय • पौराणिक कथा से संबद्धता • उपसंहार	कविता और कहानी की रचना तथा उनमें अंतर को जाना। घमंड न करने की सीख से परिचित हुए। छोटी–छोटी वस्तुओं के महत्त्व को जाना विनम्र का भाव जाग्रत हुआ। चिंतन कौशल का विकास हुआ। तार्किक क्षमता का विकास हुआ। संवेदनशील बनाना। अपनी वास्तविक स्थिति का ज्ञान हुआ। समानता का भाव जाग्रत हुआ। पौराणिक पात्रों के पतन को विषय वस्तु के माध्यम से जाना।	
मार्च	**Annual EXAM**					

नोटः <u>term-1</u> एवं **<u>term 2</u>** के दौरान छात्रों को व्याकरण शीट mail द्वारा दी जाएगी जिसके अंतर्गत **<u>विलोम शब्द</u>**,**<u>पर्यायवाची</u>**,**<u>श्रुतिसम</u>** **<u>भिन्नार्थक,समानार्थी, अनेकार्थी</u>**,**<u>तत्सम –तद्भव, उपसर्ग–प्रत्यय ,मुहावरे,वाक्यांश के लिए एक शब्द</u>** दिए जाएँगे।